Write the importance about Life and food according to bhriguvalli of taittiriyopanishad.

अथवा / OR

भृगुवल्ली के अनुसार पंचकोश का वर्णन कीजिए।

Describe the "Five Seaths" according to Bhriguvalli.

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2131 **K**

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit CBCS – LOCF**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answers **all** questions

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. चरकपूर्व आयुर्वेद की ऐतिहासिक परम्परा पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the history of before the charaka ayrved treaditions.

अथवा / OR

आयुर्वेद के प्रमुख आचार्यों का उल्लेख करते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए।

Express the contribution of prominent ayurvedacharya.

2. आयुर्वेद की पुनर्वसु परम्परा का ऐतिहासिक विवेचन कीजिए।

Write the history punarvasu traditions in ayurved.

अथवा / OR

हेमंत, शरद् एवं वसन्त ऋतु के अनुसार पथ्य-अपथ्य पर विचार कीजिए।

Discuss about winter (hemant) winter (shishira) and spring (vasanta) regimen.

3. आदानकाल एवं विसर्गकाल में रुक्षता, रस और दुर्बलता के कारणों क विवेचन कीजिए।

Discuss about the cause of dryness, fluid (rasa) and weakness in solistis.

अथवा / OR

ग्रीष्म एवं वर्षा ऋतु में पथ्य-अपथ्य का विवेचन कीजिए।

Discuss about summer (grishm) rainy (varsha) and winter (sharad) regimen.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए-

Write a notes on any three of the following :

त्रिदोष, पञ्चमहाभूत, त्रिगुण, सुश्रुत संहिता, भावप्रकाश, माधवनिदान।

5. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न की महत्ता पर प्रकाश डालिए।